राष्ट्रीय हिंदी साप्ताहिक खबरें

जनता की समस्या,हर पल टाइम्स की खबर

HAR PAL TIMES

# हर पल टाइम्स

RNI NO:- MAHHIN/2011/24374

कार्यकारी संपादक : जमील जी. खान

● वर्ष : ०८ ● अंक : ३२ ● मुंबई, शुक्रवार, १२ अप्रैल से १८ अप्रैल २०१९ ● पृष्ठ : ४ ● मूल्य : २/- रुपये

मुंबई, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, कर्नाटका, आंध्रप्रदेश, गुजरात, झारखंड, चेन्नई, कलकत्ता जानेवाला अखबार,(०७४९८५३५२८६आपकी समस्या के लिए इस नंबर पर संपर्क करे)

## भाजपा महायुति का दावा सरकार हमारी बनेगी

२०१९ में फिर एक बार मोदी की लहर नजर आ रही है। हालांकि जनता का कहना है कि ५ सालों में बीजेपी की सरकार ने बहुमत होने के बावजूद जनता के कोई काम नहीं किए हैं, लेकिन मोदी ने विकास का काफी काम किया है।देखना ये है कि अब गेंद किसके पाले में जाती है?

## मिल सकती है कामयाबी अगर जनता का समर्थन रहा तो-काँग्रेस

काँग्रेस पार्टी ने १९४७ के बाद हिंदुस्तान में सरकारें बनाई और विकास का काम भी किया। इसके बावजूद अपने परिवार में से इंदिरा गांधी, राजीव गांधी की बड़ी कुर्बानियां देश को देनी पड़ी। इसको देखते हुए देश की जनता फिर एक बार काँग्रेस की सरकार बनाएंगी। काँग्रेस के सहयोगी दल मौजूद है इसके बावजूद प्रियंका गांधी वाड्रा का काँग्रेस में पूरा समर्थन करने से सहयोगी सरकार बनने के आसार नजर आ रहे हैं।

## कांग्रेस का दावा- लेजर गन के निशाने पर थे राहुल गांधी, गृह मंत्रालय ने कही यह बात

**नई दिल्ली:** राहुल गांधी की अमेठी में पर्चा भरने के दौरान रक्षा में चूक के पार्टी के आरोप को गृह मंत्रालय ने नकार दिया है. गृह मंत्रालय (MHA) का कहना है कि जिस लेजर लाइट का कांग्रेस जिक्र कर रही है वह उन्हीं के फोटोग्राफरों के मोबाइल फोन की थी, जो राहुल गांधी का वीडियो बना रहे थे. गृह मंत्रालय ने इस संदर्भ में जब स्पेशल प्रटेक्शन ग्रुप (SPG) से सलाह ली तो उन्होंने कहा कि यह लाइट सेलफोन का था. कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि जब अमेठी से पर्चा भरने के बाद राहुल गांधी पत्रकारों से बात कर रहे थे तभी बहुत कम समय में कम से कम सात बार उनके सिर के आसपास लेज़र दिखती रही. दो बार तो सीधे उनकी कनपटी पर लेजर की लाइट पड़ी. घटना का वीडियो सामने आने के बाद हड़कंप मचा हुआ है. कांग्रेस ने इस सिलसिले में गृह मंत्रालय को चिट्ठी लिखी थी और इस घटना के बारे में अवगत कराया था. कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की हत्याओं का हवाला देते हुए कहा कि राहुल गांधी की जान को खतरा है और ऐसे में उनकी पुख्ता सुरक्षा सुनिश्चित की जाए. बता दें कि कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को अमेठी से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था. इस दौरान उनकी मां सोनिया गांधी, बहन प्रियंका गांधी और जीजा रॉबर्ट वाड्रा उनके साथ थे. पर्चा दखिल करने से पहले राहु गांधी ने रोड शो किया. रोड शो में गांधी की बहन प्रियंका गांधी वाड्रा , बहनोई रॉबर्ट वाड्रा और उनके दोनों बच्चे भी शामिल थे. इस रोड शो में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का उत्साह देखते ही बनता है. मुंशीगंज से शुरू हुये रोड शो में सड़क किनारे कांग्रेस समर्थकों की भारी भीड़ जमा थी. कार्यकर्ताओं के हाथों में कांग्रेस का झंडा था. महिलाएं घर से छज्जों से फूलों की बारिश कर रही थी.

भारी गर्मी में भी कार्यकर्ताओं का लंबा जुलूस गांधी के काफिले के साथ चल रहा था. कांग्रेस के गढ़ में गांधी का मुकाबला भाजपा की केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी से है. राहुल ने केरल के वायनाड से भी नामांकन भरा है.

## चोरी की बुलेट को ऐसे ठिकाने लगाते थे कि पुलिस को क्रेन बुलानी पड़ गई

**इंदौर।** कहते हैं शौक बड़ी चीज है, इसे पूरा करने के लिए कई बार लोग लगत रास्ता पर निकल पड़ते हैं। इंदौर में पुलिस ने ऐसे ही गिरोह को पकड़ा है, जो मौज मस्ती और शौक पूरा करने के लिए गाड़ियां चुराने लग गए। चोरी की इस वारदात को अंजाम देने वाले सभी छात्र हैं। पुलिस ने इनके पास से चोरी की ४ गाड़ियां बरामद की हैं। जिसमें से तीन बुलेट हैं। चोरी की गाड़ी को ठिकाने लगाने का इनका जो तरीका है, वो जानकर पुलिस भी सन्न रह गई। क्योंकि चोरी की गाड़ियों को ये इध?-उधर नहीं बल्कि कुएं में छुपा देते थे और कुछ वक्त बाद उसे कम कीमतों में बाजार में बेच देते थे। ऐसे में पुलिस को भी चोरी की गाड़ी बरामद करने के लिए क्रेन का सहारा लेना पड़ा। इस मामले में पुलिस ने दो छात्रों को गिरफ्तार किया है। वहीं अन्य और दो आरोपियों की तलाश भवरकुंआ पुलिस कर रही है।

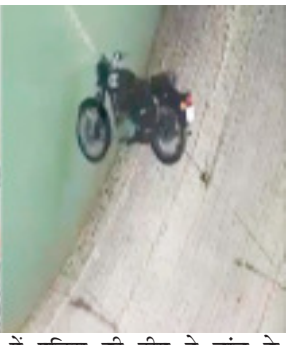

पुलिस भर्ती परीक्षा की तैयारी कर रहे चितावद निवासी दोस्तों से चोरी की बुलेट से मिलने आए बदमाशों को पुलिस ने जांच के दौरान मंगलवार रात पकड़ा था। सख्ती करने पर दोनों बदमाशों से चोरी की एक बाइक और तीन बुलेट बरामद हुई। गिरोह में शामिल दो बदमाश अभी भी फरार हैं। एक बदमाश कंजर गिरोह से जुड़ा हुआ है। भंवरकुआं टीआई संजय शुक्ला ने बताया कि आरोपित अर्जुन (१९) पिता प्रभुलाल गुर्जर निवासी दुगनी थाना (उज्जैन) व पवन गुर्जर निवासी उज्जैन को गिरफ्तार किया है। चितावद इलाके में पुलिस की टीम ने जांच के दौरान अर्जुन की बुलेट को रोका और दस्तावेज मांगे थे। थाने लाकर सख्ती से पूछताछ में उसने बताया कि गाड़ी चोरी की है। उसने बताया कि उसके गांव के कुछ दोस्त चितावद में रहकर पुलिस भर्ती परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। वह उन दोस्तों से मिलने और बुलेट दिखाने के लिए आया है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर युवकों के घर पर दबिश दी। यहां दूसरा आरोपित पवन पुलिस को मिल गया। आरोपित पवन ने पूछताछ में बताया कि उसने भोपाल से दो बुलेट चुराई थी।

## संपादकीय...

# अलविदा राष्ट्रीय दल

***सत्रहवीं लोकसभा के लिए गुरुवार को हुए पहले चरण के मतदान के साथ ही चार राज्यों के असेंबली चुनावों के लिए भी वोटिंग हुई है। इन राज्यों में एक है आंध्र प्रदेश, जहां इस बार राजनीतिक तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। विभाजन के बाद इस राज्य की सियासत दो क्षेत्रीय दलों तेलुगूदेशम और वाईएसआर कांग्रेस के इर्द-गिर्द सिमट गई है और राष्ट्रीय दल हाशिए पर चले गए हैं। कांग्रेस, बीजेपी, बीएसपी और कम्युनिस्ट पार्टियों में यहां कोई दम नहीं दिख रहा है। बिल्कुल संभव है कि आगे के चुनावों में अपना अस्तित्व बचाने के लिए भी उन्हें यहां की रीजनल पार्टियों का ही सहारा लेना पड़े। इस तरह देखें तो दक्षिण का यह राज्य भी तमिलनाडु के रास्ते पर चल पड़ा है, जहां सत्तर के दशक से शुरू करके हाल तक दो क्षेत्रीय दलों डीएमके और एआईडीएमके का ही वर्चस्व रहा है। इन दोनों ने अपनी मर्जी और अपनी शर्तों पर कांग्रेस और बीजेपी से गठबंधन किए और उनके केंद्र की सत्ता संभालने पर मनचाही सौदेबाजी की। आंध्र प्रदेश की दिशा भी ठीक वैसी ही है। वहां के दोनों ताकतवर दल राष्ट्रीय पार्टियों को किस रूप में ले रहे हैं, इसका अंदाजा वाईएसआर कांग्रेस के नेता वाईएस जगनमोहन रेड्?डी के उस हालिया बयान में मिलता है जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत में अब राष्ट्रीय पार्टी जैसी कोई बात ही नहीं रही।***

***राज्य में मुख्य मुकाबला चंद्रबाबू नायडू की तेलुगूदेशम और जगनमोहन रेड्?डी की वाईएसआर कांग्रेस के बीच है। अभिनेता पवन कल्याण की जन सेना तीसरी ताकत जैसी जगह बनाने की जुगत में है। कहने को बीजेपी और कांग्रेस भी हाथ आजमा रही हैं पर उन्हें किसी ने गठबंधन लायक भी नहीं समझा है। हिसाब सीधा है। राज्य में सत्ता जिसकी भी आएगी, वह केंद्र में सरकार बनाने वाले दल को अपना सशर्त समर्थन देगा। एक समय तेलुगूदेशम के शीर्षनेता चंद्रबाबू नायडू अटल सरकार के भरपूर दोहन के लिए जाने जाते थे। यह सिलसिला आंध्र प्रदेश का अगला मुख्यमंत्री भी जारी रखेगा, बशर्ते केंद्र सरकार यथोचित रूप से कमजोर हो और अपने अस्तित्व के लिए उसके सांसदों पर निर्भर हो। अभी पांच-छह साल पहले तक आंध्र प्रदेश को कांग्रेस का गढ़ माना जाता था लेकिन यूपीए सरकार द्वारा राज्य का विभाजन करके तेलंगाना का गठन किए जाने के बाद यहां पार्टी की साख लुढ़क कर तली में पहुंच गई। कांग्रेस का वोट शेयर २००४ में ५० प्रतिशत से ऊपर था, जो २०१४ में मात्र २.८ प्रतिशत पर आ गया। साल २०१४ के चुनावी आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि तेलुगूदेशम पार्टी (४७.७ फीसदी) और वाईएसआर कांग्रेस (४५.४ फीसदी) के वोटों का प्रतिशत तब करीब-करीब बराबर था। लेकिन उस चुनाव में बीजेपी से गठबंधन बनाने का फायदा तेलुगूदेशम को यह हुआ कि सीटों की संख्या के मामले में उसने वाईएसआर कांग्रेस को बहुत पीछे छोड़ दिया। इस बार मुकाबला सीधा है। यानी हाशिए स्पष्ट हैं, तस्वीर कैसी उभरती है, यह देखना है।***

# कृष्णागिरी से राहुल का भाजपा पर वार

## तमिलनाडु पर नहीं होने देंगे नागपुर का शासन

**नई दिल्ली,** कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी आज चुनाव प्रचार के लिए तमिलनाडु के कृष्णागिरी में है, यहां कांग्रेस अध्यक्ष जनसभा को संबोधित कर रहे हैं। इस दौरान राहुल ने केंद्र सरकार और उनके सहयोगी संगठन पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हम कभी तमिलनाडु के लोगों पर नागपुर के लोगों का शासन नहीं करने दें सकते। तमिलनाडु पर सिर्फ और सिर्फ तमिलनाडु के लोगों का ही राज होगा और एमके स्टालिन राज्य के अगले मुख्यमंत्री होंगे।

राहुल गांधी ने नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि मनरेगा का ६००० करोड़ रुपये केंद्र सरकार पर बकाया है। पीएम मोदी ने किसानों से उनको दिया जाने वाला बोनस छीन लिया। किसानों के मन में डर है और हम उनके दिलों से य डर निकाना चाहते है। हम चाहते है कि उन्हें महसूस हो की देश की सरकार उनके साथ है। आपको याद होगा कुछ साल पहले जब भी कोई राष्ट्रीय बजट प्रस्तुत किया जाता है तो रेल बजट अलग से पेश किया जाता है। भाजपा ने रेल बजट को अलग से पेश करना बंद कर दिया।

हमने तय किया है कि जब भी हम बजट पेश करेंगे तब हम किसानों के लिए अलग से बजट पेश करेंगे। हम साल के शुरुआत में ही किसानों को बता देंगे की सरकार उनके लिए क्या करने जा रही हैं। नरेंद्र मोदी ने ३५ हजार करोड़ नीरव मोदी , ३५ हजार करोड़ विजय माल्या और १० करोड़ महुल चोकसी को दे दिए और इन सभी में से किसी को भी जेल नहीं हुई। इन सभी ने बैंक से लोन लिया और बिना चुकाए देश से भाग गए। हमने तय किया है कि २०१९ में जब हमारी सरकार सत्ता में आएगी तब हम किसानों के लिए नियमों में बदलाव करेंगे। हमने एक और ऐतिहासिक फैसला लिया है कि कोई भी किसान लोन ना चुकाने के कारण जेल नहीं जाएगा।

राहुल ने आगे कहा कि मैंने अपने भाषण के शुरुआत में ही कहा था कि हर एक गरीब परिवार को हर साल ७२ हजार रुपये दिए जाएंगे। हमने इस स्कीम को न्याय योजना नाम दिया है और मैं बड़े गर्व के साथ कहता हूं कि ये पैसा घर की औरतों के हाथ में दिया जाएगा। राहुल ने कहा कि जैसी ही हमारी सरकार सत्ता में आएगी हम लोकसभा, राज्यसभा और सभी विधानसभाओं में महिलाओं को आरक्षण देंगे, इतना ही नहीं हम महिलाओं को केंद्रीय नौकरियों में ३३ प्रतिशत आरक्षण देंगे। सेलम में भी राहुल ने भी साधा भाजपा पर निशाना।

इसके बाद राहुल गांधी तमिलनाडु के सेलम में भी जनसभो को संबिधत किया। राहुल ने कहा कि लोकसभा चुनाव २०१९ की लड़ाई दो अलग

नेतृत्वों के बीच में है।भाजपा कहती है की भारत में सिर्फ एक इतिहास, एक संस्कृति लागू होनी चाहिए। एक ही विचार देश को चलाए। वहीं कांग्रेस और डीएमके गठबंधन कहता है कि भारत में कई सारी आवाज है, देश में अलग-अलग संस्कृति है। हमारा मानना है कि ये सारे आइडिया भारत को बनाने के लिए एक साथ काम करें। भाजपा का मानना है कि तमिलनाडु को नागपुर से चलाया जाए। उनके अनुसार प्रधानमंत्री का ऑफिस नागपुर में है।

**करुणानिधि जी का अपमान पूरे तमिलनाडु का अपमान**

हमारा मानना है कि तमिलनाडु के लोग की संस्कृति का सम्मान, उनके इतिहास का सम्मान मजबूत भारत बनाने के लिए जरुरी है। इसलिए कांग्रेस और द्रविड़ मुनेत्र कड़गम गठबंधन में साथ मिलकर काम कर रहे है। स्टालिन ने बताया कि किस तरह से करुणानिधि जी को अपमान किया गया। मैं उनका दुख समझ सकता हूं, लेकिन में स्टालिन जी को बताना चाहता हूं कि उन्होंने सिर्फ आपके पिता साधारण आदमी नहीं थे। वो पूरे तमिलनाडु को लोगों की आवाज को प्रस्तुत करते थे।

भाजपा की तरह हमारा घोषणा पत्र किसी बंद कमरे में तैयार नहीं किया गया है हमने लोगों से पूछकर बताया कि आखिर वो क्या चाहते है। बता दें ११ अप्रैल को लोकसभा चुनाव २०१९ के पहले चरण के लिए कल २० राज्यों की ९१ सीटों पर मतदान हो चुका है। तमिलनाडु में १८ अप्रैल को लोकसभा चुनावों के साथ राज्य की १८ विधानसभा सीटों पर उप-चुनाव भी होंगे। चुनाव नतीजे २३ मई को ही घोषित किए जाएंगे।

# १५ साल से दे रहा था पुलिस को चकमा दे रहा था सेंचुरियन डकैत

**मुंबई :** हीरों की डकैती के एक मामले में एक वांछित डकैत १५ साल तक पुलिस को चकमा देता रहा। १०० से ज्याादा लूट और डकैती वारदातों में शामिल रहा यह डकैत मोस्ट वांटेड आतंकी एवं अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम की 'डी' कंपनी के लिए भी काम कर चुका है। मुंबई पुलिस क्राइम ब्रांच की यूनिट- १२ ने जब संतोष नायर नामक उक्त डकैत को गिरफ्तार किया तो पता चला कि वह अपनी पहचान छिपाने और पुलिस से बचने के लिए मोबाइल फोन तक इस्तेमाल नहीं करता था साथ ही ज्यादा लोगों से मिलता-जुलता भी नहीं था। जरूरत पड़ने पर वह अपनी पत्नी का मोबाइल फोन इस्तेमाल करता था।

बता दें कि ८ मार्च, २००४ को दहिसर स्थित डायमंड के एक कारखाने में कुछ लोगों ने डकैती डालने का प्रयास किया था। उस समय मुंबई पुलिस क्राइम ब्रांच की यूनिट-१२ ने ४ डकैतों को गिरफ्तार किया था। टीम ने आरोपियों के पास से एक चीनी मॉडल की पिस्तौल, ४ जिंदा कारतूस, २ चॉपर और एक स्टीम कार भी जप्त की थी लेकिन गिरोह का सरगना अपने कुछ साथियों के साथ भागने में सफल हुआ था।

गिरोह का सरगना संतोष गोपाल नायर पुलिस को लगातार चकमा देता रहा। यूनिट- १२ के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुनील जाधव के मार्गदर्शन में पीएसआई हरीष पोल एवं लाड की टीम संतोष नायर के खिलाफ जानकारी जुटाने के प्रयास में लगी रही। टीम की मेहनत रंग लाई और उन्हें संतोष नायर का पुणे का पता मिल गया। संतोष वहां नाम बदलकर रहता था। यूनिट-१२ की टीम ने पुणे की विश्रांतवाडी पुलिस की मदद से संतोष नायर के बारे में जानकारी जुटाई।

# पूनम और प्रिया दोनों से मतदाता खफा

**मुंबई :** उत्तर-मध्य मुंबई लोकसभा चुनाव क्षेत्र के मतदाता दो ऐसे उम्मीदवारों से परेशान है जो चुनाव जीतने और हारने के बाद मतदाताओं से गायब हो जाते हैं। पहले प्रिया दत्त थी जो चुनाव जीतने के बाद भी दिखाई नहीं देती थी और हार के बाद तो लापता ही हो गई। दूसरी भाजपा की पूनम महाजन हैं जो जीतने के बाद मतदाताओं से दूर हो गई। प्रिया और पूनम दोनों उम्मीदवारों को लेकर मतदाता बड़े ही पशोपेश में हैं।

**शिवसैनिकों की नाराजगी भारी पड़ सकती है**

उत्तर मध्य मुंबई लोकसभा चुनाव क्षेत्र से भाजपा की सांसद पूनम महाजन पर शिवसैनिकों की नाराजगी कहीं अमावस का चांद न दिखा दे। निचले स्तर पर शिवसैनिकों को मनाने में जुटी पूनम अब तक नाकाम रही है। हालांकि, पूनम के करीबी दावा करते हैं कि मातोश्री पर माथा टेकने के बाद सभी गिले शिकवे खत्म हो गए हैं, लेकिन धरातल पर ऐसा नहीं है। नाराज शिवसैनिक मनसे की हवा में बह गए तो प्रिया दत्त की लॉटरी निकलने से नहीं रोका जा सकता।

लोकसभा चुनाव जीतने के बाद पूनम ने शानदार कार्यालय तो बनाया जरूर, लेकिन अपने मतदाताओं की पहुंच से दूर हो गई। उन शिवसैनिकों से भी जिसने पिछले चुनाव को पूनम को जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। विधानसभा और नगरसेवकों के चुनाव में पूनम के बयानों से आग में घी का काम किया जिससे पूनम और शिवसैनिकों के बीच दूरी और बढ़ गई। वह दूरी खत्म करने की पहल करते हुए पूनम ने मातोश्री में शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे और युवा नेता आदित्य ठाकरे से मुलाकात की थी, लेकिन वह दूरी जस की तस कायम है। कुर्ला, चांदिवली, कालीना, बांद्रा पश्चिम लोकसभा क्षेत्र में शिवसैनिकों नाराजगी कायम है।

**अपनों की बेरूखी कहीं प्रिया को डुबा न दे**

चुनाव हारने के बाद सुनील दत्त की बेटी प्रिया दत्त पूरी तरह से गायब हो गई थीं। वह चर्चा में चुनाव से ऐन पहले तब आई जब उन्होंने लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने का पत्र हाईकमान को लिखा। ये दोनों ही मसले प्रिया के परेशानी का कारण बन गया है। अब प्रिया सोसायटियों में जाकर लोगों से मिल रही हैं। गत दिनों वह कालीना व कुर्ला विधानसभा चुनाव क्षेत्र में चुनाव प्रचार करने के लिए आई थीं। जैसे ही वह निकली वैसे ही लोग चर्चा करने लगे कि ५ साल तो गायब थी, अब क्या करने आई हैं? लोग चर्चा कर रहे थे कि बेहतर होता कि दूसरे किसी को उम्मीदवारी मिलती।

# अदालत ने तटीय रोड परियोजना पर बीएमसी से जवाब मांगा

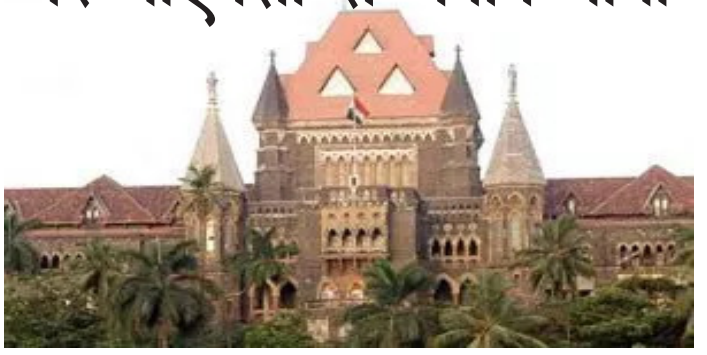

**मुंबई :** बंबई उच्च न्यायालय ने मंगलवार को बीएमसी को निर्देश दिया कि वह विशेषज्ञों के एक निकाय की रिपोर्ट का जवाब दे, जिसमें कहा गया था कि उसने शहर में मछुआरा समुदाय और तट से लगे समुद्री जीवन पर प्रस्तावित तटीय सड़क परियोजना के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए पर्याप्त सर्वेक्षण नहीं किया।

मुख्य न्यायाधीश प्रदीप नंदराजोग और न्यायमूर्ति एन एम जामदार की पीठ ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) को इस साल २३ अप्रैल तक अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। पीठ शहर के दो मछुआरा संघों - वर्ली कोलीवाड़ा नखवा और वर्ली मच्छीमार सर्वोदय सहकारी सोसाइटी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

याचिका में शहर के दक्षिणी हिस्से मरीन ड्राइव क्षेत्र को उत्तरी उपनगर कांदिवली से जोड़ने के लिए प्रस्तावित तटीय सड़क परियोजना के खिलाफ शिकायत की गई है। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि बीएमसी और राज्य के अधिकारियों ने प्रस्तावित परियोजना पर काम शुरू करने से पहले कोई सार्वजनिक सुनवाई शुरू नहीं की या शहर से मछुआरों के साथ कोई विचार नहीं किया।

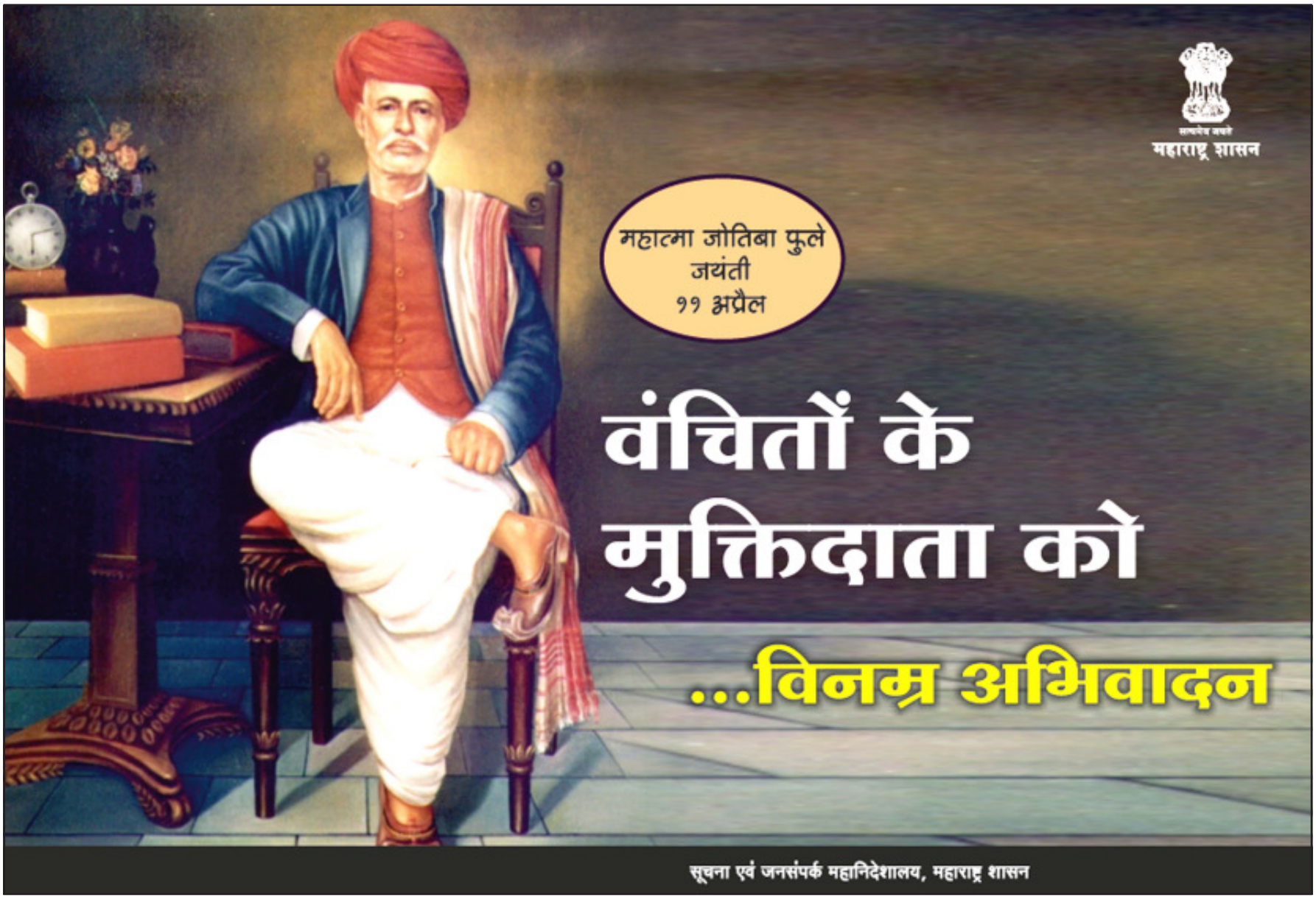

# आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में देवेंद्र फडणवीस को मिली क्लीन चिट

**मुंबई :** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को आचार संहिता उल्लंघन के उस मामले में क्लीन चिट मिल गई है, जिसकी जानकारी जिला निर्वाचन कार्यालय को दी गई थी। कांग्रेस के एक प्रवक्ता द्वारा जिला निर्वाचन अधिकारी को एक मौखिक शिकायत की गई थी, जिसमें कहा गया था कि फडणवीस आचार संहिता (१० मार्च को) लागू होने के बाद राजनीतिक बैठकें करने के लिए अपने सरकारी आवास 'वर्षा' का इस्तेमाल कर रहे हैं। आचार संहिता में कहा गया कि सरकारी आवासों का इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्यों के लिए नहीं किया जा सकता। मुंबई शहर के कलेक्टर और निर्वाचन अधिकारी शिवाजी जोंधले ने कहा, 'हमने शिकायत की जांच की लेकिन हमें कोई ठोस सबूत नहीं मिले। हमें सूचित किया गया था कि मुख्यमंत्री प्रत्येक दिन अपने आवास पर काफी आगंतुकों से मिलते हैं लेकिन यह कोई उल्लंघन नहीं है।'

# महाराष्ट्र विधानसभा हिला देने वाले रेप केस में ४ को २० साल की सजा, मानसिक रूप से अस्वस्थ पीड़िता से दो बार रेप

**ठाणे :** ठाणे की एक सत्र अदालत ने पांच लोगों को २०१६ में २२ साल की मानसिक रूप से अस्वस्थ लड़की से रेप का दोषी पाया है। अदालत ने चार दोषियों को २० साल के कठोर कारावास और पांचवें दोषी को १४ साल जेल की सजा सुनाई है। साथ ही, चार दोषियों पर जज एसए सिन्हा ने २०,००० रुपये और पांचवें दोषी पर १०,००० रुपये जुर्माना लगाया है। बता दें कि तीन साल पहले इस अमानवीय घटना को राज्य विधानसभा में उठाया गया था जिसके बाद इसे फास्ट-ट्रैक में देखा गया।

**गलती से पहुंची थी पीड़िता**

दोषी पाए गए फल विक्रेता गोपी बोरा, ऑटोरिक्शा चालक बालाजी और उसके तीन दोस्तों राजेश मौर्या, कमलेश और विजय बहादुर लोकमान्य नगर और सावरकर नगर के रहनेवाले हैं। अभियोजन पक्ष की वकील उज्जवला महोलकर ने कोर्ट को बताया कि ८ जनवरी, २०१६ को रात करीब ८ बजे पीड़िता की मां ने उससे आटे की मिल पर जाने को कहा था लेकिन मानसिक रूप से अस्वस्थ पीड़िता अपनी बहन के पड़ोसी गोपी के घर पहुंच गई।

# मुंबई पुलिस के बाहुबली ने आग से बचाई दो जिंदगियां

**मुंबई :** मलाड के बांगुर नगर थाने में कार्यरत पुलिस उपनिरीक्षक रमेश आंबेडकर बुजुर्ग भाई-बहन रणबीर और रणजीत के लिए शनिवार को फरिश्ता बनकर आए। मुंबई पुलिस के अधिकारी की हिम्मत की जहां साईं अमर सोसायटी वाले तारीफ कर रहे हैं, वहीं मुंबई पुलिस के आयुक्त ने भी अपने जवान की बहादुरी पर प्रशस्ति पत्र देकर हौसलाअफजाई की है। घटना शनिवार शाम की है, जब मलाड के बांगुर नगर थाने के तहत एवरशाइन नगर स्थित साईं अमर बिल्डिंग की पहली मंजिल पर अचानक आग लग गई। बिल्डिंग में ज्वलनशील वस्तु होने के कारण

आग तेजी से फैलने लगी। इस बिल्डिंग की ऊपरी मंजिल पर स्थित एक फ्लैट में ६७ वर्षीय रणबीर और उनके भाई ६५ वर्षीय भाई रणजीत रहते हैं, जो आग की जद में आ गए थे। सोसायटी के लोगों ने बताया कि रणबीर कौर कमरे की खिड़की से मदद के लिए आवाज लगा रही थीं और वहां से बाहर निकलने की कोशिश भी कर रही थीं। लेकिन रणजीत को चलने की तकलीफ की वजह से वह उन्हें अकेला छोड़कर वहां से कहीं जा भी नहीं सकती थीं। आग की लपटें देखकर उन्हें बचाने की किसी की हिम्मत नहीं हुई। हालांकि, इसकी सूचना किसी ने बांगुर नगर पुलिस को दे दी। खबर मिलते ही पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। उस दौरान रमेश आंबेडकर ने आग को फैलने से रोकने की बजाय बुजुर्ग भाई-बहनों की जान बचाने को अपना पहला कर्तव्य समझा। आंबेडकर आग की लपटों और तेज धुंए के गुबार से बचते हुए सीढ़ियों के जरिए उन दोनों लोगों तक जैसे-तैसे पहुंचे। लेकिन, रणबीर कौर भाई रणजीत सिंह को छोड़कर वहां से आना नहीं चाह रही थीं, जबकि आंबडेकर एक-एक कर दोनों को बचाना चाह रहे थे। आखिरकार, रणबीर की जिद के आगे आंबेडकर की नहीं चली और उन्होंने चलने में असमर्थ रणजीत को कंधे पर उठा लिया, जबकि रणबीर का हाथ पकड़ पास वाली बिल्डिंग में सुरक्षित तरीके से दोनों को पहुंचा दिया। फिर स्वयं भी वहां से सकुशल उतर गए।

# RTE: २६ अप्रैल तक जमा करना होगा जरूरी कागजात

**मुंबई :** शिक्षा अधिकार अधिनियम २००९ के तहत वंचित व गरीब समुदाय के लिए आरक्षित २५ फीसदी आरक्षण की पहली ऑनलाइन लॉटरी नवी मुंबई मनपा के शिक्षा विभाग द्वारा १० अप्रैल को जारी की जा चुकी है। इससे संबंधित सभी लॉटरी विजेताओं को उनके बताये मोबाईल फोन पर एसएमएस द्वारा संदेश भी भेजे जा चुके हैं। मनपा के शिक्षा विभाग का कहना है कि यदि जिन पालकों को अभी तक ऐसे एसएमएस संदेश नहीं मिले हैं, वे स्वयं 'लॉग-इन' ओपन करके अपने बच्चे के लिए इच्छित स्कूल में मिले प्रवेश को जांच लें। जिन बच्चों को प्रवेश मिल गया है, उनके पालकों से मनपा शिक्षा विभाग ने अपील किया है कि वे प्रवेश पत्र सहित व आवेदन में उल्लिखित सभी कागजातों की मूल प्रति तथा उनके दो छायांकित प्रतियों की जांच के लिए जल्द से जल्द वाशी सेक्टर १५/१६ स्थित मनपा स्कूल क्रमांक २८ में जाएं। कागजातों की यह जांच दिनांक ११ अप्रैल से २६ अप्रैल २०१९ तक सुबह ११.०० बजे से लेकर शाम ५.०० बजे तक जांच समिति द्वारा की जाने वाली है। नवी मुंबई मनपा के शिक्षणाधिकारी संदीप संगवे ने कहा है कि शिक्षा इस जांच समिति द्वारा पात्र पाए जाने के बाद ही बच्चों को स्कूलों में प्रवेश दिया जाएगा।

# पबजी पर नाराज HC ने अभिभावकों को दी

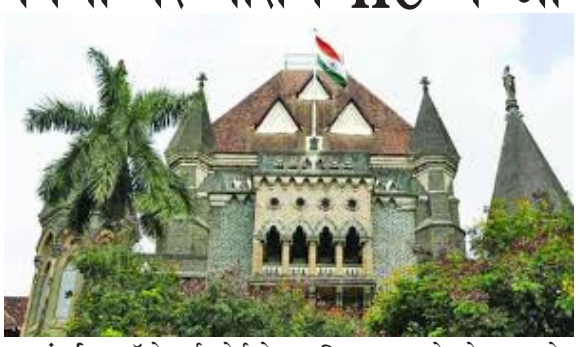

**मुंबई :** बॉम्बे हाई कोर्ट ने शुक्रवार को पबजी गेम पर बैन लगाने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए अभिभावकों को भी जिम्मेदारी का एहसास दिलाया। हाई कोर्ट ने कहा कि अभिभावक अपने बच्चों के हाथ में महंगे मोबाइल फोन क्यों देते हैं, जिसकी वजह से वे ऐसे गेम खेलते हैं। अभिभावक अपने मोबाइल फोन पर पासवर्ड डालकर सुरक्षित रखने की जरूरत है, जिससे बच्चे मोबाइल पर गेम नहीं खेल सकें। पबजी गेम के चलते बच्चे पढ़ाई पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। गेम की लत की वजह से खाना-पीना और सोना भी हराम हो गया है। इससे अभिभावक बच्चों को लेकर चिंतित हैं। इसे देखते हुए एक ११ वर्षीय लड़के ने अपने अभिभावक के जरिए हाई कोर्ट में याचिका दायर कर स्कूलों में पबजी गेम पर बैन लगाने की मांग की। इस पर मुख्य जस्टिस प्रदीप नंदराजोग और जस्टिस नितीन जमादार की खंडपीठ में सुनवाई हुई। ;जस्टिस ने कहा कि वे भी अभिभावक हैं। किसी भी स्कूल में पबजी और मोबाइल गेम खेलने की अनुमति नहीं है। बच्चे क्या करें और उन्हें क्या करना चाहिए, यह देखने की जिम्मेदारी अभिभावकों की है। इसके बाद खंडपीठ ने केंद्र सरकार को पूरे मामले का पता लगाकर उचित निर्णय लेने का निर्देश दिया और याचिका पर सुनवाई जुलाई तक स्थगित कर दिया।

# चुनाव बाद सबका चिट्ठा खोलूंगा: अजित पवार

**मुंबई :** एनसीपी नेता अजित पवार ने कहा है चुनाव के समय विपक्ष के जो नेता बीजेपी में शामिल हुए हैं उसकी असली वजह क्या है, इस बारे में वह चुनाव के बाद दस्तावेजों के साथ सबका चिट्ठा खोलेंगे।

अजित पवार ने कहा कि जो नेता बीजेपी में गए हैं, वे टिकट काटे जाने के कारण नहीं, बल्कि बीजेपी द्वारा उन पर दबाव बनाए जाने के कारण शामिल हुए हैं। एक निजी चैनल को दिए इंटरव्यू में अजित पवार ने दावा किया, जो नेता बीजेपी में गए हैं उनमें से कुछ को अपना कारखाना बचाने के लिए पैसे की जरूरत थी, कुछ की सहकारी संस्थाएं मुश्किल में हैं और कुछ लोगों पर कर्ज का बोझ है। इसीलिए वह बीजेपी के दबाव में आ गए।

बता दें कि एनसीपी के बड़े नेता और माढा लोकसभा सीट से वर्तमान सांसद प्रतापसिंह मोहितेपाटील के बेटे रणजीत सिंह मोहितेपाटील, महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राधाकृष्ण विखेपाटील के बेटे सुजय विखेपाटील और कांग्रेस-राकांपा के कई अन्य नेता ऐन चुनाव के मौके पर अपनी-अपनी पार्टियां छोड़कर बीजेपी में शामिल हो गए हैं। सुजय विखे पाटील के बारे में अजित पवार ने कहा कि सुजय विखेपाटील को अहमदनगर से उम्मीदवारी देने के लिए एनसीपी तैयार थी, बावजूद इसके उन्होंने बीजेपी में जाने का फैसला लिया।

मालक, मुद्रक, प्रकाशक वसीम जे. खान ने शिरनाजी प्रिंट, एम.एल.कॅम्प, चेंबूर, मुंबई -४०००८९ से छपवाकर, प्लॉट नं. २५ डी/१. शिवाजी नगर, गोवंडी, मुंबई - ४०००४३ से प्रकाशित किया। संपादक: वसीम जे. खान. RNI NO:- MAHHIN/2011/24374 .
Email--harpaltimes.press@gmail.com 074985 35286 (सभी विवाद निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र मुंबई, महाराष्ट्र होगा।)